ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-05-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-25	2024-05-26	2024-05-27	2024-05-28	2024-05-29
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	45.0	47.0	47.0	48.0	46.0
न्यूनतम तापमान(से.)	31.0	31.0	32.0	33.0	31.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	28	33	30	45	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	8	6	4	12	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13	26	35	39	37
पवन दिशा (डिग्री)	292	265	250	225	216
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 46.0 से 48.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 31.0 से 33.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में उच्च तापमान रहने के साथ अति उष्ण लहर चलने की संभावना हैं। किसान भाई सब्जियों व बागानों में अतिरिक्त सिंचाई अवश्य दे।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में उच्च तापमान रहने के साथ अति उष्ण लहर चलने की संभावना हैं।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
तरबूज़	जहॉ पर तरबूज खरबूजा में पित शिरा विषाणु रोग का प्रकोप हो वहॉ किसान इमिडाक्लोप्रिड 8 मिली का 15 लीटर पानी में घोल बनाकर 8 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।
मिर्च	मिर्च में पर्णकुंचन या मोजेक रोग के प्रकोप से पौधों के पत्ते सिकुड़ कर मुड जाते है तथा छोटे रह जाते है। नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रीड 3 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	उच्च तापमान और अति उष्ण लहर की स्थिति को देखते हुए दोपहर के समय पशुओं को छायादार स्थान पर या पेड़ के नीचे बांधे, स्नान कराये तथा पीने के लिए साफ पानी दे। पशुओं के अच्छे स्वास्थय व दुग्ध उत्पादन के लिए हरे चारे के साथ 50 ग्राम नमक तथा 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु अवश्य दे ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	उच्च तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए किसान भाई सब्जियों व बागानों में वाष्पीकरण द्वारा जल की हानि को कम करने के लिये घास फूस व पालिथीन आदि की पलवार का प्रयोग करें।